नवभारत टाइम्स
नई दिल्ली सोमवार 17 अप्रैल 2006

अमन बनाए रखने के लिए शांति मार्च का आयोजन

नई दिल्ली (एनबीटी न्यूज): जामा मस्जिद में बम विस्फोट की घटना को विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं और विद्वानों ने समाज को तोड़ने की साजिश बताया।

अहिंसा विश्वभारती के तत्वावधान में आयोजित एक सभा में जैन समाज के मुनि लोक प्रकाश लोकेश ने कहा कि भाईचारा व अमन के माहौल को बिगाड़ने की कोशिशों को नाकाम करने के लिए विभिन्न धर्मों के शीर्षस्थ गुरु जनचेतना के उद्देश्य से 22 अप्रैल को 'विश्व शांति सद्भाव जागरण यात्रा' गुरुद्वारा सीसगंज से शुरू करेंगे। यह यात्रा दिल्ली, हरियाणा व पंजाब के विभिन्न इलाकों से होती हुई हरमंदिर साहिब (अमृतसर) में सर्वधर्म प्रार्थना के साथ समाप्त होगी।

प्रधानमंत्री की पत्नी गुरशरण कौर दिल्ली में शांति मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगी। साथ ही, दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित शांतिकर्मियों का स्वागत करेंगी। हरियाणा सीमा पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा और जलंधर में पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह शांति मार्च का स्वागत करेंगे।

इस मौके पर हिंदू समाज के गोस्वामी सुशील जी महाराज, सिख समाज के भाई संत सिंह, आर्य समाज के भाई वीर सिंह ने कहा कि जामा मस्जिद पर हमला भारतीय संस्कृति पर हमला है। अनेकता में एकता की भारतीय संस्कृति को खत्म करने की साजिश को शांति और सद्भावना का वातावरण बनाकर नाकाम किया जाएगा। विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं ने शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी के 'हर हाल में अमन कायम रखने' के बयान का स्वागत किया और कहा कि हर समय हम आपके साथ हैं।

दूसरी ओर, दिल्ली बचाओ बनाओ समिति ने धार्मिक स्थलों के प्रमुखों से आग्रह किया है कि किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए शहर के सामाजिक संगठनों का इन धर्मस्थलों से जुड़ना जरूरी है। समिति के अध्यक्ष संदीप निराला ने कहा कि जामा मस्जिद में शुक्रवार को हुए बम विस्फोट के मद्देनजर इस तरह का कदम कारगर साबित होगा। सामाजिक संगठन धार्मिक स्थलों में होने वाली गड़बड़ी पर नजर रख सकते हैं। समिति ने कहा है कि केन्द्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल से मिलकर संगठनों की भागीदारी की मांग की जाएगी।

जामा मस्जिद में शांति और भाईचारे की अपील करते हुए अहिंसा विश्वभारती के संस्थापक मुनिश्री लोकेश जी, गोस्वामी सुशील जी महाराज, भाई संत सिंह जी और भाई वीर सिंह जी।

शाह टाइम्स
सोमवार 17 अप्रैल 2006

विभिन्न धर्मों के धर्म गुरू जामा मस्जिद में होने वाले बम विस्फोट के बाद घटना स्थल का दौरा करते हुए।

चेतना जगाने के उद्देश्य से शान्ति सद्भाव यात्रा

धर्म गुरुओं ने जामा मस्जिद का दौरा किया

नई दिल्ली (शाटा सं.)। भाईचारा व अमन का माहौल बिगाड़ने की कोशिशों को नाकाम करने तथा आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने हेतु 'फाउण्डेशन फॉर रीलिजियस हारमोनी एंड यूनिवर्सल पीस' एवं अहिंसा विश्व भारती के तत्वावधान में समाज में जन चेतना जगाने के उद्देश्य से विभिन्न धर्मों के धर्म गुरुओं के द्वारा 22 अप्रैल को विश्व शांति सद्भाव जागरण यात्रा गुरुद्वारा शीशगंज से प्रारंभ की जाएगी, जो अमृतसर के हरमंदिर साहिब में सर्वधर्म प्रार्थना के साथ खत्म होगी। यह घोषणा जामा मस्जिद के प्रांगण में विभिन्न धर्म गुरुओं के समक्ष मुनिश्री लोकेशन ने कीइस अवसर पर धर्म गुरुओं ने कहा कि जामा मस्जिद में बम विस्फोट की घटना समाज को तोड़ने एवं देश को कमजोर करने की साजिश है। उन लोगों ने जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी के हर हाल में अमन कायम रखने के बयान का स्वागत करते हुए कहा कि इस विपत्ति की घड़ी में हम सब आपके साथ हैं। सबको मिलकर हिंसा एवं आतंक के माहौल को खत्म करना है। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि यह हमला केवल जामा मस्जिद पर नहीं, बल्कियह भारतीय संस्कृति पर हमला है। अनेकता में एकता जो भारतीय संस्कृति की विशेषता है, उसे खत्म करने की साजिश है। उन्होंने हिंसा को कायराना कृत्य बताते हुए कहा कि वाराणसी की तरह दिल्ली में भी साम्प्रदायिक सद्भाव कायम रहेगा तथा आतंकवादी अपने मंसूबों में विफल होंगे। मुनिश्री ने जागरण यात्रा के बारे में बताया कि प्रधानमंत्री की पत्नी गुरशरण कौर शांति मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगी। शांति कर्मियों को दिल्ली में मुख्यमंत्री शीला दीक्षित, हरियाणा की सीमा पर भूपेन्द्र सिंह हुड्डा एवं जालंधर पहुंचने पर पंजाब के मुख्यमंत्री अमरेन्द्र सिंह स्वागत करेंगे। इस अवसर पर भृगु फाउण्डेशन के संस्थापक सुशील जी महाराज, सिख समाज के भाई संत सिंह, आर्य समाज के भाई वीर सिंह उपस्थित थे।